>

Title: Need to appoint adequate teaching staff in Kendriya Vidyalaya at Himmatnagar, Gujarat and establish new educational centres in Sabarkantha district and also open new Kendriya Vidyalaya at Modasa in Aravalli district of the State.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): मेरा संसदीय क्षेत्र साबरकांठा एक आदिवासी, दलित एवं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। आज भी हमारे क्षेत्र में शिक्षा की सुविधाएं पर्याप्त रूप से न मिलने के कारण बेरोजगारी व अनेक समस्याएं उठ खड़ी हुई हैं।

हमारे संसदीय क्षेत्र में हिम्मतनगर स्थित केन्द्रीय विद्यालय सी.बी.एस.ई. कोर्स वाला एक से 12वीं कक्षा तक विज्ञान संकाय वाला स्कूल है, जिसमें 500 से ज्यादा बच्चे पढ़ रहे हैं, परंतु साइंस स्ट्रीम के महत्व के जरूरी शिक्षकों की कमी है। जैसे कि पी.जी.टी. (गणित), पी.जी.टी. (बायोलॉजी), पी.जी.टी. (फिजिक्स), यू.डी.सी., एल.डी.सी. क्लर्क और सब स्टाफ के पद खाली पड़े हैं। काफी समय से उपरोक्त विषयों के शिक्षक नहीं होने से शिक्षा प्रभावित हो रही है। छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है। दूसरे स्कूल के छात्रों से पिछड़ने के कारण इनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। इस केन्द्रीय विद्यालय का हमारे क्षेत्र के बच्चों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। पहले केन्द्रीय सरकार तथा बाद में राज्य सरकार के कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाती है। हमारे क्षेत्र में दूसरा कोई भी सी.बी.एस.ई. कोर्स वाला विद्यालय न होने से बच्चों के साथ अन्याय हो रहा है। हमारी सरकार से मांग है कि हिम्मतनगर के इस केन्द्रीय विद्यालय में सैकिन्ड सेक्शन की मंजूरी दी जाए तथा पर्याप्त मात्रा में शिक्षकों की भर्ती की जाए ताकि शिक्षा प्रभावित न हो। दूसरा हमारे संसदीय क्षेत्र साबरकांठा का दो जिलों में विभाजन हो गया है। साबरकांठा तथा अरावली दोनों जिले वैधानिक रूप से अलग हो गए हैं। अब अरावली जिले में कोई केन्द्रीय विद्यालय नहीं है। इसलिए मोडासा शहर में, जोकि जिला मुख्यालय है, वहां पर नया केन्द्रीय विद्यालय स्थापित किया जाए। साबरकांठा जिले में नवोदय विद्यालय, एकलव्य मॉडर्न स्कूल नहीं है। अतः वहां पर नवोदय विद्यालय तथा मॉडर्न स्कूल की स्थापना की जाए तथा लड़कियों के लिए कस्तूरबा विद्यालय की सुविधा दी जाए ताकि हमारे पिछड़े क्षेत्र का विकास हो सके।